# राज्यपाल सचिवालय, बिहार

(जन–सम्पर्क शाखा)

**राजभवन, पटना–800022**

*संख्या–40/2025*

## प्रेस–विज्ञप्ति

## राज्यपाल ने भोजपुरी लोककला कैलेंडर का लोकार्पण किया

**पटना, 05 अप्रैल, 2025 :–** माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने राजभवन के दरबार हॉल में भोजपुरी लोककला कैलेंडर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न देशों में विविधता परेशान करनेवाली चीज रही है, परन्तु भारत की सांस्कृतिक विविधताओं ने हमें कभी असहज नहीं किया, बल्कि इसने हमारी एकता को मजबूती प्रदान की है। हमारी संस्कृति विविधता से समृद्ध होती है। यह दुनियाँ की अकेली संस्कृति है जो बहुधा की संस्कृति है।

उन्होंने कहा कि पराधीन होने के बावजूद भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता बनी रही। हमारी संस्कृति में अविरलता और निरन्तरता है। उन्होंने कहा कि ऋग्वेद को सबसे पुरानी पुस्तक मानी जाती है और उसे देखकर समझा जा सकता है कि उसकी ऋचाओं को सृजित करने वाले ऋषियों का मानस कितना विकसित और उन्नत रहा होगा। ऋग्वेद के काफी समय बाद कैलेंडर की अवधारणा आयी। उन्होंने कहा कि भारत में समय की कल्पना चक्रीय है। कैलेंडर परिवर्तन का प्रतीक होता है। सभ्यता एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए इतिहास का बोध आवश्यक है।

कार्यक्रम में सर्जना ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री संजीव सिन्हा, समाजसेवी श्री धीरज कुशवाहा एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

..........................................